देने के लिए अभी तक कुछ प्रोत्साहन योजनाओं को कार्यान्वित किया है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त):** (क) से (घ) जी हां।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, अति लघु कुटीर क्षेत्र सहित, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के संवर्धन तथा विकास हेतु अवस्थापनापरक सुविधाओं का सृजन करने और प्रोत्साहन एवं सहायता प्रदान करने के लिए अनेक योजनागत स्कीमें चला रहा है। इसके अतिरिक्त, लघु क्षेत्र उद्योग को प्रदान की गई सभी सुविधाएं तथा प्रोत्साहन खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को भी उपलब्ध है।

## लघु उद्योगों के लिए निगरानी व्यवस्था

2367. **श्री राज मोहिन्दर सिंह:**
**श्री कपिल सिब्बल:**

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश के उन जिलों में जहां एक हजार से दो हजार लघु उद्योग हैं वहां विशेष निगरानी व्यवस्था कायम की जाएगी जो लघु उद्योगों की ऋण संबंधी समस्या पर ध्यान रखेगी;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की योजना की विस्तृत रूपरेखा क्या है; और

(ग) इस प्रकार की निगरानी व्यवस्था किन-किन राज्यों के कितने-कितने जिलों में स्थापित की गई है और यह निगरानी व्यवस्था किन-किन स्थानों पर स्थापित की गई है?

**उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त):** (क) से (ग) बैंकों द्वारा लघु उद्योग एककों को वित्त पोषित करने की निगरानी के लिए राज्य और जिला स्तरों पर पहले ही निगरानी प्रणालियां मौजूद हैं। राज्य स्तर पर "राज्य बैंकर समिति" द्वारा लघु उद्योग क्षेत्र में ऋण के प्रवाह की निगरानी की जाती है। और यह समिति लघु उद्योगों की ऋण से संबंधित समस्याओं को देखती है। जिला स्तर पर लघु एककों में ऋण के प्रवाह की निगरानी बैंकों की जिला समन्वय समिति द्वारा की जाती है।

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय द्वारा आधार वर्ष 1987-88 के आधार पर की गयी द्वितीय अखिल भारतीय पंजीकृत लघु उद्योग गणना के अनुसार, लघु उद्योग तथा कृषि एवं ग्रामीण उद्योग विभाग, उद्योग मंत्रालय देश के 119 जिलों में से प्रत्येक में 1000—2000 पंजीकृत लघु उद्योग थे। इन 119 जिलों में से 39 में विशेषज्ञता प्राप्त लघु उद्योग बैंक शाखाएं चालू की गयी हैं। मार्च, 1998 में भारतीय रिजर्व बैंक ने सार्वजनिक बैंकों को सलाह दी है कि वे और-अधिक विशेषज्ञता प्राप्त लघु उद्योग बैंक शाखाएं खोलने हेतु, केन्द्रों की पहचान करते समय, इन 80 जिलों में केन्द्रों का चुनाव करें।

उन राज्यों की सूची, जिलों की संख्या और उन के नाम सहित, अनुबंध के रूप में संलग्न की गयी है जहां 1000—2000 (द्वितीय अखिल भारतीय गणना के अनुसार) के बीच पंजीकृत लघु उद्योग हैं तथा जहां विशेषज्ञता प्राप्त लघु उद्योग शाखाएं खोली गयी हैं।

**1000—2000 (द्वितीय अखिल भारतीय गणना के अनुसार) पंजीकृत लघु उद्योग वाले राज्य /जिले जहां विशेषज्ञता प्राप्त लघु उद्योग बैंक शाखाएं खोली गयी है।**

| क्र० सं० | राज्य का नाम | जिलों की संख्या | जिले का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | आन्ध्र प्रदेश | 2 | विशाखापत्तम, वारंगल |
| 2. | बिहार | 1 | सिंहभूम |
| 3. | गुजरात | 5 | भावनगर, जामनगर, मेहंसाना, भारूच, जूनागढ़ |
| 4. | हरियाणा | 1 | सोनीपत |
| 5. | कर्नाटक | 3 | तुपकुरू, कोलार, हसन |
| 6. | केरल | 2 | कन्नौर, मालापुरम |

| क्र० सं० | राज्य का नाम | जिलों की संख्या | जिले का नाम |
|---|---|---|---|
| 7. | मध्य प्रदेश | 3 | इन्दौर, भोपाल, राजगढ़ |
| 8. | महाराष्ट्र | 5 | थाणे, नागपुर, कोल्हापुर, नासिक, भान्डापुर |
| 9. | उड़ीसा | 1 | कटक |
| 10. | पंजाब | 1 | भटिण्डा |
| 11. | राजस्थान | 1 | अजमेर |
| 12. | तमिलनाडु | 1 | धर्मपुरी |
| 13. | उत्तर प्रदेश | 6 | मुरादाबाद, साहरनपुर, लखनऊ, अलीगढ़, गाजियाबाद, मुजफ्फर नगर |
| 14. | पश्चिम बंगाल | 5 | नाडिया, मुर्शीदाबाद, बांकुरा पुर्लिया, माल्दा |
| 15. | गोवा | 2 | उत्तरी गोवा, दक्षिण गोवा |
| | जोड़ | 39 | |

**Lack of funds in KVIC**

2368 . SHRIMATI NIRMALA DESHPANDE: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is true that Khadi and Village Industries are suffering because of lack of funds; and

(b) whether it is resulting in loss of employment in the rural sector?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT): (a) No, Sir.

(b) In view of (a) above, question does not arise.

**लम्बित औद्योगिक परियोजनाएं**

2369. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अद्यतन स्थिति के अनुसार कुछ राज्यों की औद्योगिक परियोजनाएं स्वीकृति हेतु लम्बित पड़ी हैं;

(ख) यदि हां, तो इसके कारणों सहित ऐसी परियोनजाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) इन परियोजनाओं की कुल लागत क्या है और क्या असाधारण विलम्ब के कारण इनकी लागत में वृद्धि हुई है;

(घ) क्या सरकार ने इस परियोजनाओं को स्वीकृति देने में हुए विलम्ब के कारणों का पता लगाया है; और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या उपचारात्मक कदम उठाये गये हैं?

**उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त):** (क) से (ङ) 31.10.1998 की स्थिति के अनुसार कुछ राज्यों के संबंध में वस्त्र, विस्फोटक आदि के विनिर्माण के लिए कुल 63 औद्योगिक लाइसेंस के आवेदन पर सरकर ने अपनी स्वीकृति प्रदान करनी है। इन प्रस्तावों में लगभग 221.73 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है।

औद्योगिक लाइसेंस के लिए आवेदनों की प्राप्ति, उन पर विचार तथा उनका निपटान करना एक सतत प्रक्रिया है तथा आवेदनों के शीघ्र निपटान के लिए सभी कदम उठाए जाते हैं। आवेदनों का वास्तविक निपटान, प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा अपनाई गई क्षेत्रीय नीति, विशिष्ट मामलों में उनकी सिफारिशों पर आवेदक द्वारा संगत सूचना देने पर भी निर्भर करता है।